जागरण

लखनऊ में RPF की बड़ी कार्रवाई, शताब्दी एक्सप्रेस में मोबाइल कवर की आड़ में छिपाकर रखी गई 38 लाख रुपए की सिगरेट जब्त

4-05-2026

पूर्वोत्तर के रास्ते आ रही विदेशी सिगरेट

- आरपीएफ ने लखनऊ स्टेशन पर भी पकड़ा आठ नग पार्सल
- आरपीएफ व कामर्शियल अनुभाग के बीच पार्सल को लेकर विवाद

जागरण संवाददाता • लखनऊ : दो मई को शताब्दी एक्सप्रेस से दिल्ली से लखनऊ भेजी गई सिगरेट की बड़ी खेप के तार विदेश से भी जुड़ रहे हैं। आरपीएफ जब्त सिगरेट को नकली मानकर जांच कर रही है, लेकिन इस बीच दीमापुर के रास्ते एक और बड़ी खेप के लखनऊ पहुंचने से जांच की दिशा ही बदल गई है। विदेशी सिगरेट की इस खेप को एक केंद्रीय एजेंसी के इनपुट पर आरपीएफ ने लखनऊ स्टेशन पर पकड़ा है। सिगरेट के पार्सल को खोलने के लिए आरपीएफ व कामर्शियल अनुभाग के बीच सीमा विवाद चल रहा है। हालांकि बरामद सिगरेट की सिपुर्दगी को लेकर रेलवे नियमों को खंगाल रहा है।

आरपीएफ की एक टीम शताब्दी एक्सप्रेस से पकड़ी गई सिगरेट की जांच के सिलसिले में दिल्ली रवाना हो गई है। टीम दिल्ली में पार्सल से जुड़े कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। साथ ही शताब्दी एक्सप्रेस का लीज लेने वाली फर्म का लाइसेंस निरस्त करने के लिए उत्तर रेलवे मुख्यालय को अपनी रिपोर्ट भी देगी। आरपीएफ ने शताब्दी एक्सप्रेस से मोबाइल फोन कवर के नाम से भेजे गए 16 नग को पकड़ा था। इसमें 38 लाख रुपये की कीमत की 38,400 सिगरेट की डिब्बियां बरामद हुई थी। आरपीएफ ने गलत सूचना देकर प्रतिबंधित श्रेणी के पार्सल को भेजने के मामले में रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे छुड़ाने आए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। आरपीएफ की सूचना पर कस्टम की टीम ने बरामद पार्सल की जांच की थी। हालांकि सिगरेट पर उत्तर कोरिया का ट्रेड कोड नंबर और उत्पादन मथुरा के कोसीकला का प्रिंट होने पर इसे नकली मानते हुए जांच से मना कर दिया है। वहीं, दीमापुर से आयी सिगरेट की दूसरी खेप को खोलने का पेच आरपीएफ और कामर्शियल अनुभाग के बीच फंस गया है। जांच कामर्शियल अनुभाग करेगा या फिर आरपीएफ अभी यह ही तय नहीं हो पाया है।